जीवन-परिचय

नाम	:	डॉ० कृष्णा आचार्य
पिता का नाम	:	स्व० श्री उमराव सिंह आर्य
माता का नाम	:	स्व० श्रीमती सरूपी देवी
जन्म तिथि	:	12-12-1959
स्थाई पता	:	मकान नं० 33 टाईप - IV, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय कैम्पस, रोहतक-124001 (हरियाणा) भारत
दूरभाष	:	9812138116 (मोबाइल)
पीएच०डी०	:	वैदिक साहित्ये प्रयुक्तानां हिंसार्थानां धातूनां पदानाञ्च समालोचनात्मकध्ययनम् (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक) (हरियाणा)
अध्ययन क्षेत्र	:	वेद एवं व्याकरण (गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
	:	एम० ए०, आचार्य, शास्त्री (कन्या गुरुकुल नरेला, दिल्ली)
	:	योगा ट्रैनिंग (प्रथम स्थान) (कटरा, जम्मू-कश्मीर)
अध्यापन अनुभव	:	26 वर्ष
सम्प्रति	:	एसोसिऐट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा)
शोध योजना	:	पशुयज्ञमीमांसा (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली)
	:	'वाल्मीकी रामायण', शोध योजना (यू०जी०सी० (SAP))

शोध निर्देशन	:	पीएच० डी० (8) विद्यार्थी, एम०फिल० (23) विद्यार्थी
शोध लेख	:	वेद और व्याकरण आदि विषयों पर भारत के विविध शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित (23)
शोध-पत्र वाचन	:	राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध पत्र अमेरिका, कनाड़ा, इंग्लैण्ड में भी शोध पत्र प्रस्तुत किये।
विस्तार व्याख्यान	:	देश-विदेश के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में युवाओं के उत्थान, नवचेतना एवं नव-दिशा की प्रेरणा हेतु विस्तार-भाषणों हेतु आमन्त्रित किया गया।

दूरदर्शन एवं आकाशवाणी से प्रसारित वार्ताएं :

	:	रोहतक आकाशवाणी से सम-सामयिक विषयों पर वार्ता संगोष्ठी एवं परिचर्चा
विशेष अभिरूचि	:	वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति, योग, माईग्रेन, स्पोनलायटिस्ट, एक्यूप्रेशर एवं सुजोक पद्धति पर विशेष अनुसंधान।
जीवन का उद्देश्य	:	मेरे जीवन का उद्देश्य सारे समाज का उत्थान, संसार में समता के भाव उत्पन्न करना, नारी-शिक्षा का सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के माध्यम से लोगों में देश-प्रेम, आत्मविश्वास पैदा करना, संस्कृत भाषा को अत्यन्त सरलता से जन-सामान्य तक पहुंचाना।

हस्ताक्षर :- (विदुषामनुचरः)

कृष्णा आचार्य